

**मदमैगल** वि. (तद्.) मदमस्त, मद-मस्ती में चूर नशे में चूर, नशीली वस्तु के सेवन के पश्चात् आने वाली खुमारी से ग्रस्त व्यक्ति।

**मदमोचन** वि. (तत्.) मद-मस्ती दूर करने वाला, खुमारी हटाने वाला।

**मदयंती** स्त्री. (तत्.) चमेली की श्रेणी का एक प्रकार का पुष्प, मल्लिका, मोतिया।

**मदर** पुं. (तद्.) 1. मंडराने का काम, फूल पर भौरे आदि का नर्तन 2. आक्रमण।

**मदरसा** पुं. (अर.) इस्लामी तौर-तरीके से शिक्षा प्रदान करने वाली पाठशाला- वर्तमान में मदरसों के आधुनिकीकरण करने की प्रक्रिया में, इनके पाठ्यक्रमों में, कंप्यूटर आदि उपकरणों का प्रयोग होने लगा है।

**मदर्थ** क्रि.वि. (तत्.) मेरे लिए। संरचना की दृष्टि से, इस शब्द का समतुल्य शब्द 'तदर्थ' हिंदी में व्यापक तो है, परंतु मदर्थ का प्रयोग व्यापक नहीं है।

**मदलेखा** स्त्री. (तत्.) काव्य. एक समवर्णिक छंद, जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः मगन, सगन और गुरु के योग से सात वर्ण होते हैं।

**मदवारण** पुं. (तत्.) मदमस्त हाथी, ऐसा हाथी जिस को मुश्किल से काबू किया जा सके।

**मदवारि** पुं. (तत्.) मदमस्त हाथी का मद, जो उस की कनपटी से बहता है।

**मदविक्षिप्त** वि. (तत्.) मदमस्ती के कारण होश-हवास खोने की स्थिति वाला। यह शब्द मानव तथा मानवेतर सभी के लिए प्रयुक्त हो सकता है।

**मदहोश** वि. (फा.) नशे के कारण बेहोश व्यक्ति उन्मत्त, मदमस्ती के कारण बेसुध व्यक्ति।

**मदांध** वि. (तत्.) मद-मस्ती प्रदान करने वाली वस्तुओं यथा- यौवन, धन, सत्ता आदि के प्रभाव में विवेक खोने वाला व्यक्ति।

**मदाकुल** वि. (तत्.) काम वासना में लिप्त व्यक्ति, कामातुर, मदविह्वल।

**मदाखिलत** स्त्री. (अर.) दखल देना, हस्तक्षेप करना, किसी जमे-जमाए काम में अवांछनीय हस्तक्षेप करना।

**मदात्यय** पुं. (तत्.) 1. शराब पीने का स्वभाव, नशीले पदार्थ की लत 2. शराब पीने से विषाक्त होने की दशा।

**मदानि** वि. (देश.) कल्याण करने वाला, मंगलकारी, शुभकर्ता, भाग्य जगाने वाला।

**मदापनय** पुं. (तत्.) नशा उताने की क्रिया, मद की स्थिति को नष्ट करने का कार्य।

**मदार** पुं. (तत्.) एक प्रकार का औषधीय पौधा, आक।

**मदारी** पुं. (अर.) 1. जादू का खेल दिखाने वाला व्यक्ति, बाजीगर, जादूगर 2. बंदर, भालू आदि पशुओं के खेल-खिलवाड़ दिखाने वाला व्यक्ति 3. सड़कों पर शारीरिक करतब दिखाने वाला व्यक्ति, कलंदर।

**मदालसा** स्त्री. (तत्.) 1. मद के प्रभाव में अलसाई स्त्री 2. मार्कंडेय पुराण के अनुसार विश्वावसु गंधर्व की पुत्री तथा राजा शत्रुजित के पुत्र ऋतुध्वज की पत्नी।

**मदालु** वि. (तत्.) 1. जिससे मद टपकता हो 2. मदमस्त हाथी को भी मदालु कहते हैं।

**मदिर** वि. (तत्.) नशा उत्पन्न करने वाला, मद युक्त, नशीला।

**मदिरा** स्त्री. (तत्.) ऐसा पेय पदार्थ जिसके पीने से नशा उत्पन्न होता है, शराब।

**मदिराक्ष** वि. (तत्.) मस्त आँखों वाला व्यक्ति, मदभरे नयनों वाला व्यक्ति।

**मदिरालय** पुं. (तत्.) ऐसा स्थान जहाँ मदिरा अर्थात् शराब बेची जाती हो, शराबखाना, मयखाना।

**मदिरालस** पुं. (तत्.) 1. मदिरा अर्थात् शराब पीने से उत्पन्न होने वाला आलस्य, खुमारी 2. उन्मत्ता, नशे में धुत।

**मदीय** वि. (तत्.) मेरा।

**मदीला** वि. (तद्.) नशीला, मादक; मदिर; मदमस्त, मदभरा, अन्मादकारी।